RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 22 दिसंबर 2023 | वर्ष 05 | अंक 239 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

उपराष्ट्रपति के अपमान पर मुंबई और नवी मुंबई में
बीजेपी कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

मुंबई : तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री को लेकर बीजेपी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लगातार घेर रही है। दरअसल राहुल गांधी द्वारा कल्याण बनर्जी के एक्ट का वीडियो बनाया गया था। अब उपराष्ट्रपति के अपमान को बीजेपी संवैधानिक पद का और जाट समुदाय का अपमान बताते हुए संसद से लेकर सड़क तक राहुल गांधी, कांग्रेस व उनके सहयोगी दलों के खिलाफ मोर्चा खोल रही है। मुंबई और नवी मुंबई में बीजेपी कांग्रेस पर हल्लाबोल करते हुए नजर आयी है।

नवी मुंबई में प्रदर्शन

देश की संवैधानिक पद का अपमान करने वाली इंडिया के खिलाफ पनवेल में भाजपा ने आक्रामक रुख अपनाते हुए विधायक प्रशांत ठाकुर के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपाइयों द्वारा उपराष्ट्रपति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्थान जैसे नारे लगाए गए।

गौरतलब है कि कल्याण बनर्जी ने मंगलवार को संसद भवन की सीढ़ियों पर विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल की। उस दौरान कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी हंस रहे थे और वीडियो बना रहे थे। इसके चलते भारतीय जनता पार्टी देश की संवैधानिक पद और उपराष्ट्रपति का अपमान करने वाली इंडिया के खिलाफ आक्रामक हो गई है। जिसके तहत भाजपा ने मुंबई के कांदिवली और दादर इलाके के आलावा नवी मुंबई के पनवेल में विरोध प्रदर्शन किया।

दादर में प्रदर्शन

मुंबई के दादर इलाके में भी भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। तस्वीर में आप देख सकते है कि बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता सड़क पर प्रदर्शन करते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान उन्होंने जमकर नारेबाजी की और राहुल से माफी मांगने की भी अपील की है।

कांदिवली में प्रदर्शन...

इसी क्रम में मुंबई के कांदिवली पश्चिम में भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर भारी संख्या में उपस्थित कार्यकताओं ने अपने हाथों में राहुल गांधी के फ्लैक्स बैनर लेकर संवैधानिक पदों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, पप्पू हो या बंटी संसद में नहीं चलेगी नौटंकी, जैसे नारे लगाते नजर आए।

फिर मंडराया कोरोना!
क्या मुंबई में मास्क अनिवार्य होगा? जानें स्वास्थ्य अधिकारियों के दिशानिर्देश

मुंबई : देशभर में कोरोना ने फिर से अपना सिर उठा लिया है। कोरोना के नए जेएन.1 वैरिएंट के कारण प्रशासन की चिंता भी बढ़ गई है। दुनिया भर में इस नए वैरिएंट के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। देशभर में इस वैरिएंट के 21 मरीज पाए गए हैं। इसी पृष्ठभूमि में मुंबई नगर निगम भी सतर्क हो गया है। मुंबई नगर निगम ने नागरिकों के लिए कुछ दिशानिर्देश जारी किए हैं। मुंबई नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दक्षा शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बात की जानकारी दी। डॉ. दक्षा शाह ने कहा कि यह नया वैरिएंट हल्का है। यह ओमीक्रॉन का एक उप प्रकार है। नई चुनौती का सामना करने के लिए मुंबई नगर निगम ने पूरी तैयारी कर ली है। नगर आयुक्त ने इसकी समीक्षा भी की। अस्पताल के बिस्तरों, दवाओं की उपलब्धता की भी जांच की गई है।

मुंबई में मास्क अनिवार्य नहीं है

अगर आपको सर्दी, खांसी, बुखार है तो अकेले भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। मुंबई में फिलहाल मास्क अनिवार्य नहीं है। हालाँकि, नागरिक स्वयं मास्क का उपयोग कर सकते हैं। जो लोग उच्च जोखिम में हैं उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। दक्षा शाह ने नजदीकी नगर निगम अस्पताल में जांच कराने की अपील की है।

नवी मुंबई में मंदिर की दान पेटी और पादुका चोरी

नवी मुंबई: नवी मुंबई के कोपरी गांव में गणेश मंदिर में चोरी हुई है और चोर ने न सिर्फ दान पेटी चुराई बल्कि चांदी के सैंडल भी चुरा ले गए. इस संबंध में एपीएमसी थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. कोपारी गांव में एक गणेश मंदिर है और दीपक गोस्वामी उक्त मंदिर में पूजा और मंदिर की व्यवस्था देखते हैं। मंदिर दर्शन के लिए सुबह 6:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक और शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहता है, जबकि रात में पुजारी दीपक गोस्वामी गभारा ताला बंद करके हॉल में सोते हैं। इसी प्रकार 17 तारीख को मंदिर के द्वार बंद करके वे सभा भवन में सो गये। लेकिन 18 तारीख की सुबह जब वह उठकर अपना सामान्य काम शुरू करने के लिए गोदाम में गया तो देखा कि गोदाम का ताला टूटा हुआ है और पता चला कि चोर ने कुल 32 हजार रुपये की चोरी की है.

ठाणे जिले में इस वर्ष में सामने आये मादक पदार्थ से संबंधित 723 मामले...
859 लोग गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में इस वर्ष एक जनवरी से 28 नवंबर तक मादक पदार्थ संबंधित अपराधों में 859 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 723 मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान तस्करों से 4.01 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ और अन्य वस्तुएं जब्त की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) पंजाबराव उगले की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नशा विरोधी समन्वय समिति की हालिया बैठक के दौरान अधिकारियों ने ये आंकड़े बताए।

इस बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। ठाणे पुलिस की मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ के निरीक्षक संजय शिंदे ने कहा, ठाणे जिले में इस वर्ष एक जनवरी से 28 नवंबर के बीच मादक पदार्थ से संबंधित कुल 723 अपराध दर्ज किए गए थे। इन मामलों में 859 लोगों को गिरफ्तार किया गया और तस्करों से 4,01,94,718 रुपये के मादक पदार्थ और अन्य सामान जब्त किए गए। उगले ने बैठक के दौरान अधिकारियों को बंद पड़ी रासायनिक इकाइयों का निरीक्षण तेज करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मेडिकल स्टोर चिकित्सकों की सलाह के बिना खांसी की दवाई और इस तरह की अन्य दवाओं की बिक्री न करें। उन्होंने अधिकारियों से जिले के विभिन्न जल निकायों के ह्यह्यलैंडिंग स्थलों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा। शिंदे के अनुसार, पुलिस अधिकारी ने यह भी निर्देश दिया है कि अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले नशे के आदी लोगों का विवरण संकलित किया जाए और इसका उपयोग मादक पदार्थों के तस्करों की पहचान के लिए किया जाए।

सांसदों के निलंबन पर बोले शरद पवार, सरकार को चुकानी होगी कीमत

मुंबई : विपक्षी सांसदों के निलंबन पर हमला बोलते हुए राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि सरकार विपक्ष को नजरअंदाज कर शासन करने की कोशिश कर रही है। देश की जनता सब देख रही है और सरकार को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। पिछले 13 दिसंबर को दो युवक लोकसभा में घुस गए थे। इसके बाद विपक्षी दल के सांसदों ने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह (अे३ रँ) संसद के दोनों सदनों में बयान दें। सरकार से सवाल पूछने पर दोनों सदनों से विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इसी बात का विरोध करने के लिए दिल्ली में विपक्षी दलों के मार्च में शामिल होने के लिए शरद पवार मौजूद थे।

पवार ने कहा कि सांसदों की एक ही मांग थी कि 4-5 दिन पहले संसद में जो लोग घुसे थे, वे संसद सदस्य नहीं थे, वे सभागृह में कैसे आए? उन्हें पास किसने दिया? इस पर सदन में चर्चा होना जरूरी है। विपक्ष को उम्मीद थी कि सरकार इस मामले में स्पष्टीकरण देगी, लेकिन सरकार ने कोई उत्तर नहीं दिया। उल्टा इस मामले को लेकर चर्चा की मांग पर अड़े सांसदों को निलंबित कर दिया गया। शरद पवार ने कहा कि संसद में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

राकांपा अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें (सरकार को) बिलों पर चर्चा पसंद नहीं है। अगर कोई विधेयक या कानून सदन के सामने आता है और आप विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका दिए बिना उसे पारित कर देते हैं तो यह ठीक नहीं है। यह संसदीय लोकतंत्र का अपमान है। जो हुआ, वो संसद के इतिहास में आज तक नहीं हुआ। मुझे विश्वास है कि देश की जनता उचित समय आने पर उन्हें सबक सिखाएगी। क्या सांसदों का निलंबन अच्छी बात है? संवाद कायम रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में संवाद के बिना सरकार नहीं चल सकती। पवार ने कहा कि नकल करने वाले सदस्य सभागृह में थे? सभागृह के बाहर हुआ। मान लीजिए कि अब मैं यहां कुछ करता हूं तो क्या इसकी जिम्मेदारी मेरी पार्टी या नेता पर होगी? सभागृह के बाहर कोई कुछ करेगा तो उसकी खूब चर्चा हो सकती है, लेकिन मामले को यहां तक ले जाना अनुचित है।

संपादकीय / लेख

तपोवन के तट पर

धरातल पर लाने की कशिश में, हर कोशिश का सफर जिंदा है। तपोवन विधानसभा परिसर हिमाचल की राजनीति का धरातल देखता है तथा उस कोशिश को निहारता है जिसके सदके सरकारें यहां सदन के संकल्प को आहूत करती हैं। शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन विपक्ष के गले में लटकी तख्तियां, सरकार के सामने कई आईने खड़ा कर रही थीं, तो गारंटियों की पोशाक में प्रदेश की प्राथमिकताओं का हवाला चिन्हित है। जाहिर तौर पर तपोवन के ग्रंथ में इतनी तो इबादत है कि हर सरकार के तहखानों का सच गूंजता है अफसाने में। एक सीमित सत्र की असीमित संभावना से लटके मुद्दे और कारवां पूरी राजनीति का बनकर उभरता है, तो उस चितेरे को याद करना होगा जो कुछ दशकों के हिसाब में धर्मशाला के पड़ाव को अहमियत प्रदान करता है। वीरभद्र सिंह ने शीतकालीन प्रवास की प्रथा के आगाज को शीतकालीन सत्र के अंदाज तक आते-आते राज्य के घटनाक्रम का साक्षी बना दिया। जो सवाल शिमला के सत्र में अधूरे रहते, वे धर्मशाला के पत्र में पूरे किए जाते हैं। यहां गुनगुनी धूप में कांगड़ा घाटी के रंग खुलते हैं, लेकिन इस सबब में पारदर्शिता नहीं, ह्यअब तो बस गुजर जाने का एक रास्ता बन गया, वरना मंजिलें यहां भी वक्त के इंतजार में साथ थीं।ह्न कुछ तो कर्ज रहा होगा हर सरकार में, इसलिए पूजे गए पत्थर गरीब की झोंपड़ी तक। हिमाचल की राजनीति में क्या महल और क्या झोंपड़ी, हर सरकार को कर्जदार होकर अपने वजूद को सुनहरा दिखाना है। कभी-कभी या हर बार सत्ता का एक सुनहरा महल दिखाई देता है, लेकिन कांगड़ा की गरीब झोंपड़ी में हमेशा सत्तारूढ़ दल क्यों उदास लगता है। प्रश्न बहुत होंगे तेरे दामन में मगर, इन लबादों से ढांपे नहीं जाएंगे। पदों की प्रतिष्ठा में लबादे तो टंग गए, लेकिन उन फैसलों, फरमाइशों और देनदारियों का क्या होगा, जो एक साथ दस विधायक देने वाले कांगड़ा को हमेशा फकीर बना देता है।

बहरहाल तपोवन की समीक्षा में बहस की खिड़कियां उसको निहार रहीं जिसके करीब कभी ऐसा सचिवालय बना जहां सरकार को चंद रोज बैठकर निचले हिमाचल की धडकनें सुननी थी। अब तो शीतकालीन सत्र भी बर्फ का तोंदा लगता है, जो शिमला से लुढक बहुत कुछ रौंद कर चुपचाप निकल जाता है। यहां घाटियों की अनुगूंज में विपक्षी टोलियों का हुजूम और सामने सरकार के नजारों में तपोवन का वजूद पूछ रहा है कि किसके सिक्के खोटे और किसके खोटे सिक्के चल गए। ऐसे में प्रश्न उन सिक्कों का जो हिमाचल के खजाने को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार के हर वक्तव्य को अपना आदर्श मानते हैं। यहां प्रश्न सुक्खू सरकार बनाम जयराम ठाकुर का विपक्ष नहीं है, बल्कि कर्जदार हिमाचल-बेरोजगार हिमाचल का है। रुह में वाटर सेस का अरमान लिए सुक्खू सरकार अगर आत्मसम्मान की किश्ती पे निकली है, तो हमें हर खड्ड, नदी और नाले में बहते पानी की आवाज सुननी चाहिए। ऐसा क्यों है कि वाटर सेस पर प्रदेश के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार पर भाजपा का सौहार्द दिल्ली के स्वार्थ के साथ मिलकर राजनीति हो गया। सुक्खू सरकार ने आत्मनिर्भरता के चिंतन में वाटर सेस चुना तो इसकी वकालत पड़ोसी उत्तराखंड की हकीकत से भी कमजोर करके भाजपा आखिर क्या संकेत देना चाहती है। इसी तरह केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर की मिट्टी का यह कौनसा परीक्षण, जो वर्तमान सरकार के पैमानों में अपना दर्द भर रहा है। अब पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री रहे वह शांता कुमार भी आजिज हैं, जो आपदा के दुख में सुक्खू सरकार की प्रशंसा करते रहे। तपोवन से जदरांगल या जदरांगल से तपोवन के बीच सिर्फ तीस करोड़ की कुंडली का समाधान चाहिए और यह फासला अगर नहीं टूटा तो शंकाओं के घमासान में सरकार के इरादों पर कहीं ओस की बूंदें दिखाई देंगी।

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबईः नालों में कचरा फेंकने वाले नागरिकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी

नगर निगम प्रशासन ने चेतावनी दी है...

मुंबईः नगर निगम प्रशासन नालों में कचरा फेंकने वाले नागरिकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की सोच रहा है. फिलहाल नगर पालिका ने पूरे मुंबई में सफाई अभियान चला रखा है और इस अभियान के दौरान देखा गया है कि सफाई के बाद अक्सर नागरिक मुंबई की नालियों में कूड़ा-कचरा फेंक रहे हैं. इस कचरे में थमाकोल, प्लास्टिक बैग, फर्नीचर, रबर, रैपर जैसी विभिन्न प्रकार की तैरने वाली वस्तुएं शामिल हैं। नगर पालिका ने इस बबार्दी को रोकने के लिए एक बार फिर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है.

झुग्गियों से होकर गुजरने वाली नालियों में अक्सर कूड़ा फेंक दिया जाता है। इसलिए नालों पर कचरा, प्लास्टिक की थैलियां तैर रही हैं। हर साल बरसात के मौसम में नगर पालिका इस कचरे को हटाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है. लेकिन, नाले में आए दिन जमा होने वाला कूड़ा नगर पालिका के लिए सिरदर्द बन गया है। नालियां कूड़े-कचरे से बजबजा रही हैं। क्षेत्र में दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप है। साथ ही बारिश के पानी की निकासी भी जल्दी नहीं हो पाती है. नगर निगम प्रशासन ने नालों में फेंके जा रहे कचरे को रोकने के लिए अब तक कई उपाय किये हैं और अब तक किये गये सभी उपाय विफल रहे हैं.

नहर को सीमेंट कंक्रीट से ढकने के बाद उस पर गाड़ियाँ खड़ी कर दी जाती हैं। साथ ही ढक्कन के अंदर मच्छर भी पनपते थे। साथ ही कई जगहों पर कवर कटिंग भी हुई है. ढक्कन लगे होने के कारण नालों की सफाई नहीं हो पाती है। इसके बाद नगर पालिका ने गुंबददार छतें लगाने का विकल्प भी पेश किया। लेकिन अधिक चौड़ाई वाले नालों को कवर नहीं किया जा सका। जन जागरूकता के बाद भी झुग्गियों से फेंके जाने वाले कूड़े की मात्रा कम नहीं हुई है। अगर जालियां लगी भी हैं तो उनके कटने और कूड़ा अंदर फेंकने की आशंका बनी रहती है। इसलिए ये सभी समाधान अब तक विफल रहे हैं।

अब एक बार फिर नगर निगम प्रशासन ने दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्देशानुसार मनपा प्रशासन ने मुंबई में साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया है. मुंबई नगर निगम प्रशासन ने ह्यसंपूर्ण स्वच्छता अभियानह्न लॉन्च किया है। इस अभियान के तहत सड़कों, फुटपाथों, नालों और नालियों की सफाई की जा रही है. इस अभियान में मात्र 15 दिनों में कुल 1042 मीट्रिक टन मलबा, 139 मीट्रिक टन ठोस कचरा एकत्र किया गया है। इसके लिए 3700 कार्यकताओं ने अथक परिश्रम किया है. जनशक्ति के अलावा जेसीबी (33), डंपर (148), कॉम्पेक्टर (21), फायरएक्स मशीन (71), वाटर टैंकर (69), सक्शन मशीन (6), कूड़ा बीनने वाली मशीन (3), रोड स्वीपिंग मशीन (9) और मिस्टिंग मशीन (7) इस प्रकार कुल 367 संयंत्रों का भी उपयोग किया गया है।

बीजेपी अकेले लड़ेगी चुनाव!

जितेंद्र आव्हाड का दावा, शिंदे व अजित गुट होंगे दरकिनार?

मुंबई : एनसीपी शरद पवार गुट के सीनियर नेता व विधायक जितेंद्र आव्हाडने दावा किया है कि बीजेपी महाराष्ट्र में अगला लोकसभा चुनाव सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजित पवार गुट के बिना लड़ेगी। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें कहा है कि नागपुर में शीतकालीन सत्र खत्म होने के बाद चौंकाने वाली राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है। नागपुर में बीजेपी-आरएसएस की वैचारिक बैठक हुई। इसमें तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद महाराष्ट्र में क्या हो सकता है, इस पर मंथन हुआ। इसमें तय हुआ कि बीजेपी को राज्य में अकेले चुनाव लड़ना चाहिए। जो दागी हैं, उनके साथ न जाने का निर्णय लिया गया है। जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि जो राजनीति समझते हैं, उन्हें समझ आ गया होगा कि बीजेपी महाराष्ट्र में अकेले चुनाव लड़ेगी। वहीं जो लोग बीजेपी से चुनाव लड़ना चाहते हैं उन्हें कमल पर चुनाव लड़ना होगा। एनसीपी नेता के इस खुलासे के बाद अब देखना होगा कि सीएम एकनाथ शिंदे गुट और डिप्टी सीएम अजित पवार गुट की क्या प्रतिक्रिया होगी।

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी ने अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ा और इन तीनों ही राज्यों में बड़ी सफलता हासिल की है। जानकारों का कहना है कि इससे बीजेपी का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। इस पृष्ठभूमि में बीजेपी को भरोसा है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में अपने दम पर महाराष्ट्र में बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। इसलिए इस संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता कि बीजेपी, शिंदे गुट और अजित गुट से अलग अपने दम पर चुनाव लड़ने की कोशिश करे।

उत्पाद शुल्क विभाग की बड़ी कार्रवाई, 80 लाख रुपये की विदेशी शराब जब्त

मुंबई : मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल यहां उत्पाद शुल्क विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की है। इस विभाग ने दाना बंदर इलाके में सोलापुर स्ट्रीट पर एक गोदाम पर छापा मारा है। इस बड़ी कार्रवाई में 80 लाख रुपये मूल्य की 590 बोतल विदेशी शराब जब्त की। मिली जानकारी के मुताबिक, एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में छापेमारी के बाद एक ट्रक भी जब्त किया गया। ऐसे में अब इसे लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है और तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच चल रही है।

घर पर खाने का सामान पहुंचाने वाले एक युवक को 12 बाइक चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है

मुंबईः घर-घर खाना पहुंचाने का काम करने वाले एक युवक ने शहर के विभिन्न हिस्सों से 12 दोपहिया वाहन चुराए हैं। इस मामले में पंतनगर पुलिस ने गहन खोजबीन के बाद आरोपी को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उसके पास से 12 बाइक जब्त कीं. 2 दिसंबर को घाटकोपर के पंतनगर इलाके में एक बैंक के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया. दुपहिया वाहन चालक ने पंतनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. इस शिकायत का संज्ञान लेते हुए पंतनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की. पुलिस को जानकारी मिली कि बाइक चोरी करने वाला आरोपी थाना क्षेत्र में रहता है। तदनुसार, पुलिस ने जाल बिछाया और उसे हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान, उन्होंने शहर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों की सीमा से 12 बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 22 दिसंबर 2023

बढ़ा अपराध का ग्राफ, नशीली दवाओं की खुली बिक्री... महाराष्ट्र में जंगल राज - नाना पटोले

मुंबई : राज्य में कानून व्यवस्था की समस्या गंभीर हो गई है। महाराष्ट्र की स्थिति जंगल राज कहे जाने वाले राज्यों जैसी हो गई है। महिलाओं से दुर्व्यवहार, बलात्कार, अपहरण, हत्या, नशे का कारोबार खुलेआम चल रहा है। नागपुर, पुणे, मुंबई शहरों में भी बड़ी संख्या में अवैध बंदूकें पाई गई हैं। गृहमंत्री का पुलिस प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है और अपराधी बेलगाम हैं। महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की तीन तेरह हो गई है, इस तरह का गंभीर आरोप महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने विधानसभा में अंतिम सप्ताह पर बोलते हुए सरकार पर लगाया।

अंतिम सप्ताह प्रस्ताव पर बोलते हुए कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि महाराष्ट्र में अब कानून का राज नहीं है। नागपुर वह शहर है, जहां के गृहमंत्री हैं, उसी शहर में अपराध में भारी वृद्धि हुई है, लेकिन अपराध सुलझाने का अनुपात कम है। ऑनलाइन लॉटरी और नकली लॉटरी बड़े पैमाने पर चल रही है। इससे कई जिंदगियां बर्बाद हो चुकी हैं, कई लोगों ने लॉटरी में पैसे खोने के कारण आत्महत्या कर ली है। अन्य राज्यों से अवैध शराब का आवागमन और बिक्री काफी हद तक बढ़ गई है। पनीर, दूध और मावा उत्पादों में मिलावट रोकने में असफलता मिली है। अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई है।

राज्य में प्रतिबंध के बावजूद गुटखा और तंबाकू की बिक्री जारी है। ड्रग्स, चरस, गांजा खूब बिक रहा है। गुजरात राज्य से बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं आती हैं, इस पर कोई नियंत्रण नहीं है। मुंबई में बलात्कार के ४,००० से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। पुणे में २१०, मुंबई में २७४ और नागपुर में ५५७ अवैध बंदूकें मिलीं। ये आंकड़े सरकार के हैं, ये सिर्फ अभियोजन का सवाल नहीं है बल्कि ये राज्य के कानून के मुताबिक होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकार की लापरवाही के कारण राज्य में अपराध बढ़े हैं, ऐसा पटोले ने कहा। विधानसभा में आरक्षण पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के भाषण को बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा दिया गया मसौदा बताते हुए महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने शिंदे पर हमला बोला है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने दल-बदल कानून में विलय पर संरक्षण को चुनौती पर केंद्र सरकार से मांगा जवाब

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने दो दलों के आपस में विलय कर लेने की स्थिति में दल-बदल कानून के तहत उन्हें अयोग्य करार दिये जाने से प्राप्त संरक्षण को एक जनहित याचिका के माध्यम से दी गयी चुनौती पर बुधवार को सरकार को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ ने महान्यायवादी आर वेंकटरमनी को भी नोटिस जारी किया क्योंकि जनहित याचिका में संविधान की दसवीं अनुसूची के चौथे अनुच्छेद की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गयी है। दसवीं अनुसूची दल-बदल कानून से संबंधित है। यह प्रावधान कहता है कि दो दलों के आपस में विलय कर लेने की स्थिति में दल-बदल के आधार पर (उन्हें) अयोग्य नहीं करार दिया जा सकता है। उच्च न्यायालय मीडिया एवं विपणन पेशेवर तथा गैर सरकारी संगठन वनशक्ति की संस्थापक न्यासी मीनाक्षी मेनन की जनहित याचिका की सुनवाई कर रहा था। खंडपीठ ने केंद्र सरकार को छह सप्ताह के अंदर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मेनन के वकील अहमद आब्दी ने दलील दी कि दल-बदल 'सामाजिक बुराई है तथा विधायक/सांसद जनहित के कारण नहीं बल्कि सत्ता, धन के लालच में तथा कभी-कभी जांच एजेंसियों के डर से अपनी निष्ठा बदल लेते हैं। आब्दी ने कहा, ''इन सब बातों की मार मतदाता भुगत रहा है। मतदाता संसद तो जा नहीं सकता, मतदाता बस अदालत ही आ सकता है। एक खास विचारधारा या घोषणापत्र के आधार पर वोट डाला जाता है लेकिन बाद में पार्टी ही बदल जाती है।

जब तक आरक्षण नहीं मिलता है, तब तक राज्य में चुनाव नहीं होंगे - मनोज जरांगे पाटील

मुंबई : मराठा आरक्षण के मामले में मराठा नेता मनोज जरांगे पाटील झुकने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि जब तक उनके समाज को आरक्षण नहीं मिलता है, तब तक राज्य में चुनाव नहीं होंगे। इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में कहा है कि वह फरवरी में विशेष सत्र बुलाकर मराठा आरक्षण का मुद्दा सुलझा लेंगे। लेकिन उनके इस बयान से जरांगे पाटील सहमत नहीं हैं। पाटील का कहना है कि फरवरी महीने में राज्य में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लगाई जा सकती है। ऐसे में मराठा समाज को आरक्षण देना मुश्किल होगा। हालांकि, जरांगे ने विश्वास व्यक्त किया है कि जब तक मराठा आरक्षण नहीं मिलेगा, तब तक राज्य में चुनाव नहीं होंगे। उनके इस बयान से अब राजनीतिक माहौल भी गरमाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। जरांगे पाटील ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे ने मराठा आरक्षण को लेकर जो वादा किया है।

मलाड में बीच सड़क प्रार्थना स्थल तोड़ने पर कोर्ट की रोक... मार्वे तक सड़क चौड़ीकरण रुका

मुंबईः मलाड पश्चिम इलाके में मध-मार्वे की ओर जाने वाली सड़क का चौड़ीकरण रोक दिया गया है. कोर्ट ने इस सड़क के चौड़ीकरण के पीछे आ रहे पुजारी के बंगले को तोड़ने पर रोक लगा दी है. इसलिए नगर पालिका के पी उत्तर प्रभाग की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को रोक दिया गया है और मध मार्वे जाने वाले पर्यटकों को कुछ समय के लिए परेशानी उठानी पड़ेगी. मलाड पश्चिम में मार्वे रोड पर पूजा स्थल और आसपास के निर्माण इस सड़क पर ट्रैफिक जाम का कारण बनते हैं। मध मार्वे की ओर जाने वाली इस सड़क पर हमेशा पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। इसलिए नगर निगम प्रशासन द्वारा इस सड़क को चौड़ा करने का प्रोजेक्ट हाथ में लिया गया। इस चौड़ीकरण के पीछे उक्त पूजा स्थल का एक बंगला और नौ दुकानें थीं।

राज्य की महिलाएं सुरक्षित नहीं - जयंत पाटील

मुंबई : महाविकास आघाड़ी के नेता जयंत पाटील ने कल विधानसभा में गृह मंत्रालय के कार्यभार पर सवाल उठाते हुए कहा, 'देवेंद्र फडणवीस पार्टियों के जोड़-तोड़ में व्यस्त हैं इसलिए उनके पास गृह विभाग को देखने का समय नहीं है।' इतना ही नहीं, उन्होंने आगे कहा कि राम को आदर्श कहने वालों के राज्य में सीता माता यानी राज्य की महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महाराष्ट्र में ८ हजार से ज्यादा दंगे हुए। बिहार में ४ हजार दंगे हुए। हमारे पास दंगे कराने का रिकॉर्ड है। अब रामनवमी दशहरे पर दंगे हो रहे हैं। मुझे नहीं पता कि कोल्हापुर में लोग कहां से आए थे, लेकिन दंगा हुआ था। जयंत पाटील ने कहा कि हम भी हिंदू हैं, लेकिन हम दूसरों का गौरव खराब नहीं करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा जारी पुलिस स्टेशनों की लिस्ट में महाराष्ट्र का कोई पुलिस स्टेशन नहीं है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि गृह विभाग का कामकाज वैठसा चल रहा है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन गृह मंत्रालय पर ध्यान देने का समय नहीं है, क्योंकि सिर्फ पार्टी तोड़ने का काम चल रहा है। मुझे लगता है कि अब उन्हें घोषणा करनी चाहिए कि सभी लोग एक पार्टी में हैं इसलिए शांति स्थापित होगी, ऐसा तंज भी जयंत पाटील ने फडणवीस पर कसा। कभी मुंबई पुलिस की तुलना स्कॉटलैंड की पुलिस से की जाती थी। अब वे दिन चले गए।

देश में पांच करोड़ मामले अदालत में पेंडिंग हैं और दस लाख लोगों पर १२ न्यायाधीश हैं। महाराष्ट्र में ५० लाख मामले पेंडिंग हैं। मुझे याद है कि २०१४ में भी देवेंद्र फडणवीस के पास गृह विभाग था। उनका कहना था कि अपराधियों की सजा की दर अधिक है। अब केंद्र ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस सरकार में सजा की दर कम है। अपराधियों को पकड़ने में यह सरकार पिछड़ रही है। फडणवीस ने कहा था कि मैं फड़तूस नहीं हूं, कारतूस हूं, लेकिन गृहमंत्री के जिले नागपुर में चोरों और लुटेरों का हब बन गया है। नागपुर में हर दिन औसतन तीन घरों में चोरियां हो रही हैं। हमारा सुझाव है कि गृहमंत्री को महाराष्ट्र में अन्य स्थानों पर जाने की बजाय नागपुर में बैठना चाहिए और महाराष्ट्र की उपराजधानी में माहौल ठीक करना चाहिए।

बकाया वसूली करने गए बिजली विभाग के महिला कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज व मारपीट...

कल्याण : कल्याण में बिजली बिल का बकाया वसूली करने गए बिजली विभाग के महिला कर्मचारियों के साथ भाजपा की पूर्व नगरसेविका और उसके पति द्वारा गाली-गलौज व मारपीट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। शिकायत के आधार पर कोलसेवाड़ी पुलिस पति-पत्न ी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, कल्याण पूर्व, काटेमनेवाली क्षेत्र की रहनेवाली भाजपा की पूर्व नगरसेविका ने पिछले दो महीने से लाइट का बिल नहीं भरा था। छह हजार लाइट बिल बकाया था। बिल वसूल करने के इरादे से विभाग द्वारा मीटर काटने की प्रक्रिया कर रहे थे। इसी दरम्यान पूर्व नगरसेविका वहां पहुंची और महावितरण की महिला कर्मचारी के साथ गाली-गलौज करते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी। इसी दरम्यान उसका पति भी वहां पहुंचा और उसका मोबाइल छीनते हुए उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। महावितरण कर्मचारियों ने इसकी जानकारी अपने वरिष्ठों को देते हुए पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर दी। जानकारी मिलने के कुछ देर बाद मौके पर कोलसेवाड़ी पुलिस पहुंची। कोलसेवाड़ी पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश सिरसाठ ने बताया कि शिकायत के आधार पर पति-पत्नी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

आगामी पांच साल में अमेरिका जैसी होंगी सड़कें - नितिन गडकरी

मुंबई : भाजपा नेता और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दावा किया है कि हिंदुस्थान का लक्ष्य आगामी पांच साल में अपनी सड़कों के बुनियादी ढांचे को अमेरिका के बराबर करने का है। इस तरह से हिंदुस्थान की सड़कें अमेरिका जैसी हो जाएंगी। गडकरी ने कहा कि एक व्यापक रणनीति के तहत सरकार महानगरों की भीड़ को कम करने, यात्रा के समय को घटाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए काम कर रही है। पिछले नौ साल में उनके मंत्रालय ने ५० लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं आवंटित की हैं और मौजूदा नीतियों को बेहतर कर अनुबंध मंजूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी ठेकेदार को अनुबंध की मंजूरी के लिए मेरे पास आने की जरूरत नहीं है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 22 दिसंबर 2023

आखिरकार देवेंद्र फडणवीस के पत्र पर अजित पवार ने तोड़ी चुप्पी... फिल्मी गाना गा कर दे दिया ये मैसेज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने नवाब मलिक को लेकर अपने सहयोगी देवेंद्र फडणवीस के खुले पत्र पर चुप्पी तोड़ते हुए बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मामले को शांत करने के लिए हस्तक्षेप किया है. देवेंद्र फडणवीस ने इस महीने की शुरूआत में पवार को पत्र लिखकर कहा था कि भारतीय जनता पार्टी पूर्व मंत्री नवाब मलिक को पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुट में शामिल करने का विरोध कर रही है.

उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने सदन का सत्र समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान पत्र के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे पत्र मिला. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने

हस्तक्षेप किया और मुझसे कहा कि किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है. उन्होंने एक प्रसिद्ध फिल्मी गीत का जिक्र करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, ''ये मेरा प्रेम पत्र पढ़कर, कोई नाराज न होना.''

'बीजेपी ने जताई आपत्ति'

आपको बता दें कि बीजेपी की तरफ से पूर्व मंत्री नवाब मलिक के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुट में शामिल होने पर आपत्ति जताई गई थी. डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की तरफ से डिप्टी सीएम अजित पवार को पत्र लिखकर शिवसेना-बीजेपी-एनसीपी के सत्तारूढ़ गठबंधन में मलिक की एंट्री पर आपत्ति जताई गई. देवेंद्र फडणवीस की तरफ से कहा गया था जिस तरह नवाब मलिक देशद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं, उन्हे महायुति गठबंधन में शामिल करना उचित नहीं.

मुंबई/ स्कूल के चौकीदार ने कक्षा में 4 साल के बच्चे से किया दुर्व्यवहार...

मुंबईः पिछले कुछ दिनों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में मुंबई से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि 4 साल की एक स्कूली छात्रा के साथ उसी स्कूल के चौकीदार ने यौन उत्पीड़न किया। यह घटना मलाड के मालवणी इलाके के अंबुजवाड़ी में हुई. आरोपी चौकीदार को गिरफ्तार कर लिया गया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद अंसारी है. पुलिस के मुताबिक घटना 19 दिसंबर की है. 4 साल का बच्चा रोजाना की तरह स्कूल गया था. सुबह के समय आरोपी मोहम्मद अंसारी ने मौका पाकर लड़की के साथ बलात्कार किया। घटना 19 दिसंबर की सुबह 9 से 12 बजे के बीच की है. बताया गया है कि आरोपी नाबालिग लड़की को क्लासरूम में ले गया, जहां उसने गलत हरकत की।

घटना के बाद बच्ची रोते-रोते तड़पने लगी। लड़की के माता-पिता ने उसके परिवार को बताया कि उस समय उसके साथ क्या हुआ था। उस वक्त उनके माता-पिता सदमे में थे. इसके बाद माता-पिता ने मलाड के मालवणी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। माता-पिता की शिकायत पर आरोपी मोहम्मद अंसारी के खिलाफ धारा 376, 354, भादवि अधिनियम 2012 की धारा 4, 8, 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है.

16 वर्षों से गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों का कोई सर्वेक्षण नहीं

पालघर : पालघर में पिछले १६ वर्षों से गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों का कोई सर्वेक्षण नहीं हुआ है, इसका असर जिले के आदिवासी, ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में दयनीय जीवन जीने वाले हजारों परिवारों पर पड़ा है। १६ साल से पहले बनी गरीबी रेखा से नीचे की सूची में नाम नहीं होने से सरकार की कई योजनाओं का लाभ आदिवासियों और गरीब परिवारों को नहीं मिल पा रहा है। गरीबों की सूची में शामिल कई परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहतर हो गई है, लेकिन वह आज भी गरीब बनकर जरूरतमंदों का हक डकार रहे हैं और वह सरकारी योजनाओं का पात्र न होते हुए भी लाभ ले रहे हैं।

सरकार द्वारा २००७ में गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों का सर्वेक्षण कराया गया था। सर्वे में पालघर जिले में सबसे अधिक आदिवासी और ग्रामीण आबादी वाले चार तालुकाओं वाडा,

जव्हार, विक्रमगढ़, मोखाडा में ६५ हजार से अधिक परिवार गरीबी रेखा से नीचे की सूची में दर्ज किए गए थे।

पिछले १६ साल में इन ६५ हजार परिवारों में से कई परिवार मालामाल हो गए हैं। कई लोगों के खुद के पास दोपहिया और चारपहिया वाहन हैं। साथ ही कई परिवार के सदस्य सरकारी नौकरी में भी हैं। इसके बावजूद इस परिवार के मुखिया का नाम गरीबी रेखा से नीचे की सूची में शामिल होने से इन परिवारों को सरकार द्वारा गरीबों के लिए संचालित योजनाओं का भरपूर लाभ मिल रहा है।

वहीं पिछले १६ वर्षों में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करनेवाले कई परिवारों का विभाजन हो गया है और नए परिवार बन गए हैं। इनमें से कई परिवार बेहद गरीबी में जीवन जी रहे हैं। इन परिवारों के सदस्यों का नाम गरीबी रेखा से नीचे की सूची में शामिल नहीं होने के कारण इनके सदस्यों को सरकार की कई योजनाओं से वंचित रहना पड़ता है।

बताया जाता है कि पालघर जिले में १५ हजार से ज्यादा परिवार ऐसे हैं, जो बदहाल जिंदगी जी रहे हैं और इनका नाम गरीबी रेखा से नीचे की सूची में दर्ज नहीं है। जव्हार तालुका में रहनेवाले लगभग एक लाख चालीस हजार परिवार के सदस्य गरीबी रेखा और प्राथमिकता परिवार के लाभार्थियों की सूची में शामिल हैं। नया सर्वे न होने से आज भी इस सूची में कई अमीर परिवार शामिल हैं और वह गरीबी रेखा से नीचे के नागरिकों को मिलने वाली सरकारी सहायता का लाभ ले रहे हैं।

सड़क पर वाहनों की अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान

नगर निगम का सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने का फैसला...

मुंबईः सड़कों के किनारे अवैध पार्किंग की समस्या के समाधान के लिए मनपा प्रशासन ने सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने का निर्णय लिया है. इसके लिए महाराष्ट्र राज्य सुरक्षा निगम से 500 सुरक्षा गार्डों की सेवाएं ली जाएंगी. नगर निगम ने संपूर्ण स्वच्छता (डीप क्लीनिंग) अभियान चलाया है। इसके तहत सड़कों-फुटपाथों की सफाई, डिवाइडरों, सार्वजनिक दीवारों की सफाई के साथ-साथ कूड़ेदानों की सफाई, लावारिस वाहनों का निपटान, अनाधिकृत विज्ञापन बोर्डों पर कार्रवाई, शौचालयों की सफाई और कीटाणुशोधन पर जोर दिया जा रहा है। इसके तहत सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाया जाएगा। ऐसे वाहन यातायात बाधित करने के साथ-साथ बबार्दी

की समस्या भी पैदा करते हैं। इसलिए, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नगर पालिका को मुंबई में अवैध पार्किंग की समस्या का समाधान खोजने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने इस समस्या के समाधान के लिए मार्शल नियुक्त करने के निर्देश दिए थे, लेकिन नगर पालिका के पास वाहन चालकों से जुमार्ना वसूलने का कोई अधिकार नहीं है, इसलिए नगर पालिका ने क्लीन-अप मार्शल की जगह सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने का निर्णय लिया है.

सरकारी डॉक्टर ने दिखाई मानवता, दिव्यांग महिला की डिलिवरी के बाद नवजात को पिलाया दूध

उल्हासनगर : उल्हासनगर स्थित सरकारी सेंट्रल अस्पताल के विशेष नवजात देखभाल वार्ड में ऑन ड्यूटी डॉक्टर व स्टॉफ द्वारा अपने पेशे के प्रति दिखाई गई उदारता की चर्चा अब शहर में सोशल मीडिया के कारण चर्चा में है। किसी भी मरीज के लिए जीवन देने वाला डॉक्टर भगवान समान प्यारा होता है, लेकिन बदलते दौर में भगवान रूपी डॉक्टर और मरीज रूपी भक्तों के बीच की खाई दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसके पीछे एक मुख्य कारण संवादहीनता के कारण पैदा हुई गलतफहमियां है। ऐसा ही एक डॉक्टर उल्हासनगर सेंट्रल हॉस्पिटल में देखने को मिला। 12 दिसंबर की आधी रात को 2 बजे मंगल अंकुश वाघमारे नाम की महिला की डिलीवरी हुई।

महिला मानसिक रोगी है और महिला ने एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया। महज डेढ़ किलो वजन के बच्चे को वजन कम होने के कारण बेबी इनक्यूबेटर में रखा जाता है। फीडिंग भी करानी पड़ती है।

डेटिंग ऐप पर परिचय के बाद असिस्टेंट डायरेक्टर से रंगदारी की मांग...

मुंबईः डेटिंग ऐप टिंडर पर मुलाकात के बाद एक असिस्टेंट डायरेक्टर का नग्न वीडियो बनाया गया और उससे पैसे वसूले गए. इस संबंध में मालवणी पुलिस स्टेशन में अज्ञात महिला और अन्य के खिलाफ जबरन वसूली, धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है। वेब श्रृंखला में सहायक निर्देशक के रूप में काम करने वाले 45 वर्षीय व्यक्ति की मुलाकात 13 दिसंबर को टिंडर ऐप पर एक महिला से हुई। दोनों ने एकदूसरे

को अपने मोबाइल नंबर दे दिए. इसके बाद महिला ने असिस्टेंट डायरेक्टर को वीडियो कॉल किया। उस वक्त महिला अश्लीलता कर रही थी. उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर से अपने कपड़े उतारने को भी कहा. फिर इसे फिल्माया गया. इसके बाद शिकायतकर्ता को तीन मोबाइल नंबरों से व्हाट्सएप पर मैसेज आए। उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर को एक टेप भेजा. इसमें उनका अश्लील फिल्मांकन किया गया था. इसके बाद आरोपियों ने उसे धमकाना शुरू कर दिया। 75 हजार रुपये की रंगदारी नहीं देने पर वीडियो इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी दी गयी. इससे घबराए असिस्टेंट डायरेक्टर ने उनसे ऐसा कुछ न करने की गुजारिश की. आरोपियों की धमकी के बाद सहायक निदेशक ने 15 दिसंबर को आरोपियों के बताए बैंक खाते में 35 हजार रुपये जमा करा दिए। इसके बाद भी आरोपी पैसे की मांग करता रहा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com